Savita joins as Director, Forest Research Institute

DEHRADUN, JAN 6 (HTNS)

/ of Environment, Forest and Climate Government of India, New Delhi has ap- Dr Savita as Director of Forest Research Dehradun. She is an officer of Indian For- ce of 1985 batch belonging to Himachal cadre.

la joined as Deputy Director General (Edu- f Indian Council of Forestry Research and n, Dehradun in October, 2015. Though, She holding the additional charge of the post of FRI since June 3, 2015 on repatriation of the rector to his state cadre, she, however, have lay as regular incumbent against the presti- st. She is well read and has a bouquet of ucational qualification to her credit.

ds M.Sc. in Botany and Forestry; Masters in Public Administration from IIPA, M. Phil Development from Punjab University, arh, MBA from University of Western Australia and Ph. D. on 'Governance Issues Management' from Forest Research Insti- ned) University, Dehradun.

ining ICFRE, she has worked as Additional Chief Conservator of Forests (HRD) in Pradesh. She also has wide experience of n Government of India in various capaci- worked as Deputy Secretary in National Commission, Ministry of HRD, Director in of Social Justice & Empowerment, Ministry of Tribal Affairs and Ministry of Information & Broadcasting. She has also served as Professor Academics in Indira Gandhi National Forest Academy and remained Principal of Central Academy for State Forest Services, Dehradun for five years.

Though Dr Savita has an extensive experience in Planning, Formulation and Execution of Forest Education, Training Programmes and Management, she has special interest in Climate Change and Global Warming including Carbon Mitigation and Trading of Carbon Credits as well as in REDD and REDD+. She has a vast experience of formulation and executing of various forestry projects in the state of Himachal Pradesh.

Over the years she has gained expertise in Joint Forest Management practices including Participatory Rural Appraisal (PRA) which is successfully being replicated in the Himalayan region. She has also addressed livelihood related issues of rural communities significantly while implementing various projects. FRI will be enriched with her experience in formulation, execution and implementation of the forestry research work in national interest.

The Himachal Times 07-01-16

एफआरआइ की पहली महिला निदेशक बनीं डॉ. सविता

देहरादून: वन अनुसंधान संस्थान (एफआरआइ) की कार्यवाहक निदेशक डॉ. सविता को इसी पद पर स्थाई नियुक्ति मिल गई है। पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने उनकी नियुक्ति पर बुधवार को मुहर लगा दी।

डॉ. सविता का मूल पद वैसे भारतीय वानिकी अनुसंधान संस्थान में उप महानिदेशक (शिक्षा) था। वह तीन जून 2015 से एफआरआइ का निदेशक पद अतिरिक्त कार्यभार के रूप में देख रही थीं। अब मंत्रालय के आदेश के बाद वह स्थाई रूप से एफआरआइ की निदेशक बन गई है। संस्थान में अभी तक कोई भी महिला निदेशक स्थाई तौर पर तैनात नहीं रही।

Dainik Jagran 07-01-16

डॉ. सविता देश की पहली महिला एफआरआई निदेशक

1985 बैच की हिमाचल काडर की हैं आईएफएस

अमर उजाला ब्यूरो

देहरादून। उत्तराखंड को एक गौरव और प्राप्त हुआ है। सीनियर आईएफएस डॉ. सविता देश की पहली महिला एफआरआई निदेशक बनी हैं। भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद के बैनर तले देश में संचालित नौ भारतीय अनुसंधान संस्थानों में पहली बार किसी महिला आईएफएस को निदेशक बनाया गया है। डा. सविता इसके पहले अतिरिक्त कार्यभार के तौर पर भारतीय वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून के निदेशक का कार्यभार देख रही थीं। 6 जनवरी को उन्हें स्थायी नियुक्ति दे दी गई।

डॉ. सविता हिमाचल प्रदेश संवर्ग की 1985 बैच की आईएफएस हैं। उन्हें अक्टूबर, 2015 को उप महानिदेशक (शिक्षा) के पद पर भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद में तैनाती मिली थी। भारतीय वन अनुसंधान संस्थान के तत्कालीन निदेशक के मूल संवर्ग में जाने के बाद डॉ. सविता को 3 जून, 2015 को संस्थान का अतिरिक्त कार्यभार दिया गया था। 6 जनवरी को इस पद पर उनकी स्थायी नियुक्ति कर दी गई। डॉ. सविता ने वन प्रबंधन में शासकीय विषयों पर पीएचडी की डिग्री हासिल की है।

डॉ. सविता ने केंद्र सरकार के अधीन विभिन्न पदों पर कार्य किया है। वह राष्ट्रीय महिला आयोग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय में उप सचिव, सामाजिक न्याय एवं शक्ति, जनजातीय मामलों के मंत्रालय में निदेशक के रूप में कार्य किया है। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वन अकादमी में शिक्षण कार्य करने के अलावा वह केंद्रीय अकादमी राज्य वन सेवा में पांच साल प्रधानाचार्य रही हैं।

Amar Ujala 07-01-16

डा. सविता एफआरआई की निदेशक बनीं

देहरादून (एसएनबी)। केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्रालय ने डा. सविता को वन अनुसंधान संस्थान (एफआरआई) में स्थाई निदेशक नियुक्त कर दिया है। वह अगले पांच साल तक निदेशक के पद पर तैनात रहेंगी। बीती तीन जून से अभी तक वह आईसीएफआरई में उप महानिदेशक (शिक्षा) के साथ ही एफआरआई में निदेशक का अतिरिक्त प्रभार संभाल रही थीं। हिमाचल प्रदेश कैडर 1985 बैच की आईएफएस अधिकारी डा. सविता एफआरआई की पहली महिला निदेशक हैं। एमएससी के बाद उन्होंने पंजाब विवि से एमफिल की डिग्री, सिडनी से एमबीए व एमआरआई सम विश्वविद्यालय से वन प्रबंधन में पीएचडी की डिग्री प्राप्त की थी।

भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद में तैनाती मिलने से पहले वह हिमाचल प्रदेश में अतिरिक्त प्रधान मुख्य वन संरक्षक के पद पर तैनात रह चुकी हैं। इसके अलावा केंद्रीय मानव संसाधन एवं विकास मंत्रालय में उप सचिव, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय में निदेशक, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वन अकादमी में प्राध्यापिका व केंद्रीय अकादमी राज्य वन सेवा में प्रधानाचार्य के पद पर भी तैनात रह चुकी हैं। बतौर डा. सविता वन अनुसंधान संस्थान में वानिकी प्रबंधन की शोध परियोजनाओं को तेजी से आगे बढ़ाना उनकी प्राथमिकता है।

Rastriya Sahara 07-01-16

वन अनुसंधान संस्थान में डा. सविता नियुक्त हुई पहली महिला निदेशक

देहरादून छह जनवरी (दर्पण संवाददाता)। पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा डा. सविता का चयन तथा नियुक्ति देश के प्रमुख वानिकी अनुसंधान संस्थान, वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून में की गई है। वे हिमाचल प्रदेश संवर्ग में १९८५ बैच की भारतीय वन सेवा अधिकारी हैं। इन्होंने अक्टूबर, २०१५ में उप महानिदेशक(शिक्षा) के पद पर भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद् में कार्यभार ग्रहण किया। पूर्ववर्ती निदेशक के अपने मूल संवर्ग में जाने के पश्चात डा० सविता ने ३ जून, २०१५ से निदेशक, वन अनुसंधान संस्थान का कार्यभार अतिरिक्त प्रभार के रूप में ग्रहण कर लिया था, किन्तु इस महत्वपूर्ण पद पर वे ६ जनवरी, २०१६ से स्थाई रूप से पद पर स्थापित हुई। डा० सविता ने कई उच्च शैक्षिक योग्यताएं प्राप्त की हैं। उनके पास एमएससी वनस्पति विज्ञान एवं वानिकी, आईआईपीए से लोक प्रशासन में स्नातकोत्तर डिग्री, पंजाब विश्वविद्यालय चण्डीगढ़ से ग्रामीण विकास में एमफिल की डिग्री, पश्चिमी सिडनी, ऑस्ट्रलिया से एमबीए की डिग्री तथा वन अनुसंधान संस्थान (सम) विश्वविद्यालय, देहरादून से वन प्रबंधन में शासकीय विषय पर पीएचडी की डिग्री है।

भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद् में कार्यभार ग्रहण करने से पहले उन्होंने हिमाचल प्रदेश में अतिरिक्त प्रधान मुख्य संरक्षक के रूप में कार्य किया। उन्हें भारत सरकार के अधीन विभिन्न पदों पर कार्य करने का व्यापक अनुभव है। उन्होंने राष्ट्रीय महिला आयोग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय में उप सचिव के पद पर तथा सामाजिक न्याय एवं शक्ति, जनजातीय मामलों के मंत्रालय तथा सूचना एवं प्रसार मंत्रालय में निदेशक के रूप में कार्य किया। उन्होंने इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वन अकादमी में अकादमिक प्राध्यापक के रूप में कार्य किया और केन्द्रीय अकादमी राज्य वन सेवा, देहरादून में प्रधानाचार्य के पद पर पांच वर्ष तक रहीं।

डा. सविता को योजना, सूत्रबधीकरण तथा वन शिक्षा के निष्पादन में व्यापक अनुभव है तथापि, जलवायु परिवर्तन और वैश्विक ऊर्ष्मीकरण में कार्बन न्यूनिकरण, कार्बन क्रेडिट्स की ट्रेडिंग करने और साथ ही रेड तथा रेड प्लस में गहरी रुचि है।

Doon Darpan 07-01-16